Lecture No.-- ~~16~~ 17

Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date:-17-8-20
Do Next class

Aspect of Mind
Topographical Aspect of mind.
मन का आकारात्मक पहलू

(3) अचेतन (unconscious):- फ्रायड के अनुसार मन का सबसे गहरा (deepest) एवं बड़ा भाग अचेतन एवं है। चित्र-1 देखें फ्रायड ने इसे मन का सबसे महत्वपूर्ण भाग बतलाया है। फ्रायड से पहले भी कुछ लोग जैसे डेकार्ते (Descartes), लिबिनिज (Leibinitz) तथा हेमहोल्ज ने अचेतन का अध्ययन किया था परन्तु फ्रायड ने सबसे पहले अचेतन का वैज्ञानिक अध्ययन करके उसका महत्व व्यक्तित्व के विकास में बतलाया।

अचेतन का शाब्दिक अर्थ है जो चेतन या चेतना से परे हो। कुछ अनुभव इस प्रकार के होते हैं जो न तो हमारी चेतना (consciousness) में होते हैं और न ही अर्द्धचेतन (subconscious) में। ऐसे अनुभव अचेतन में होते हैं। अचेतन मन में रहने वाले विचार एवं इच्छाओं का स्वरूप कामुक (sexual), असामाजिक (anti social), नैतिक (immoral) तथा घृणित (hate ful) होता है। चूँकि ऐसी इच्छाएं एवं विचारों को दिन प्रतिदिन की जिन्दगी में पूरा करना संभव नहीं होता है, अतः उनका चेतन से हटाकर अचेतन में दमित (repressed) कर दिया जाता है। जब वैसी इच्छाओं एवं विचारों को दमित कर दिया जाता है, तो वे अचेतन में जाकर समाप्त नहीं हो जाता है। हाँ, थोड़ी देर के लिए निष्क्रिय (Passive) अवश्य हो जाता है परन्तु हमेशा चेतन में आने के लिए प्रयत्न भी करता रहता है। अचेतन की इच्छाएं चेतन में सीधे तो प्रवेश नहीं कर पाती है क्योंकि अहं (Ego) का कड़ा प्रतिबंध (censor) ऐसी इच्छाओं को चेतन में आने से रोकता है। फलतः वे रूप

बदलकर (disguised form) चेतन में प्रवेश कर जाती है। स्वप्न (dream), दैनिक जीवन की मनोवृत्तियां मनोविकृतियां (psychopathologies of everyday life), सम्मोहन (hypnosis) आदि कुछ प्रमुख अवसर (occasion) है जहां अचेतन की अनुभूतियां चेतन में व्यक्त (expressed) होती है। जैसे किसी मित्र के घर पर रुमाल या किताब छोड़कर हम चले आते है। तो फ्रायड के अनुसार आप में उस मित्र से पुनः मिलने की इच्छा रही है जो अचेतन में होती है। वही इच्छा वेश बदलकर चेतन में व्यक्त हो रही है।

फ्रायड के अनुसार चेतन अनुभूतियाँ एवं विचारों का प्रभाव हमारे व्यवहार पर चेतन तथा अर्द्धचेतन की अनुभूतियों और विचारों से अधिक होती है। यही कारण है कि फ्रायड ने अपने सिद्धांत में अचेतन को चेतन एवं अर्द्धचेतन की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण एवं बड़ा (large) आकार का बतलाया है। चेतन एवं अचेतन के आकार (size) के स्वरूप की तुलना पानी में डूबे हुए बर्फ के एक विशाल खण्ड के ऊपरी हिस्सा या भाग के समान आकार में छोटा होता है (iceberg) से की जा सकती है। बर्फ के छोटे टुकड़े का बड़ा भाग ठीक पानी में डूबा रहता है जो दिखलाई नहीं देता है और जो दिखलाई देता है वह ऊपर का छोटा सा भाग होता है। ठीक उसी तरह से चेतन विशाल बर्फ खंड के ऊपरी हिस्सा या समान भाग के समान आकार में छोटा होता है, तथा अचेतन बर्फ खंड के डूबे हुए बड़े हिस्से के समान आकार में बड़ा होता है और जिस तरह से बड़ा खण्ड व्यक्ति को दिखलाई नहीं देता है, ठीक उसी तरह से अचेतन के बारे में स्वयं व्यक्ति कुछ नहीं जानता यानी अचेतन के विस्तृत भंडार जिसमें मूलतः दमित (Repressed), कामुक (sexual), अनैतिक (immoral), असामाजिक (antisocial) तथा घृणित (hateful) इच्छाएं होती हैं, से व्यक्ति स्वयं अवगत नहीं रहता है।